ओजू जलविद्युत परियोजना

[स्रोत: IE](#)

केंद्र सरकार ने **अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी ज़िले में ओजू** [जलविद्युत परियोजना](#) को **पर्यावरणीय मंज़ूरी** दे दी है, जिससे चीन सीमा के निकट **भारत की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं** में से एक के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

- **ओजू जलविद्युत परियोजना 2,220 मेगावाट की नदी-प्रवाह (रन-ऑफ-रिवर)** जलविद्युत परियोजना है।
- इसका उद्देश्य सुबनसिरी बेसिन की **विशाल जलविद्युत क्षमता का दोहन** करना है, जिससे भारत की **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में महत्त्वपूर्ण** योगदान मिलेगा।
- **महत्त्व:** यह जलविद्युत विकास के लिये **पूर्वोत्तर में बुनियादी ढाँचे** को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है।
  - यह परियोजना **सुबनसिरी बेसिन में सबसे बड़ी** है, जो **नियिरे, नाबा, नालो, डेंगसेर, ऊपरी और निचले सुबनसिरी** जैसी परियोजनाओं से ऊपर स्थित है, जिससे यह **बेसिन-व्यापी ऊर्जा नियोजन** के लिये महत्त्वपूर्ण हो जाती है।
  - अंतर्राष्ट्रीय सीमा से इसकी निकटता **ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि** से भी इसके महत्त्व को बढ़ाती है।
- **सुबनसिरी नदी**
  - सुबनसिरी नदी, जिसे **गोल्ड नदी** के नाम से भी जाना जाता है, यह एक **ट्रांस-हिमालयन नदी** है।
  - यह **तिब्बती हिमालय** के **माउंट पोरोम (5059 मीटर)** के पश्चिमी भाग से उत्पन्न होती है।
  - यह **अरुणाचल प्रदेश** में **मिरी हिल्स** के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है।
  - ब्रह्मपुत्र नदी के **दाएँ उत्तर तट** की सबसे लंबी उपनदी के रूप में, सुबनसिरी नदी **असम के माजुली द्वीप** पर ब्रह्मपुत्र से मिलती है, जो एशिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है।

और पढ़ें... [सुबनसिरी बाँध परियोजना](#)